Coai linkage to Cement Factories

3820. SHRI KAMAL MORARKA ; Will the Minister of COAL be pleased io state :

(a) what are the details of coai linkages being provided to cement factories proposed to toe set up during the Eighth Five Year Plan;
^_

(b) whether all these linkages are programing as per the original schedule;

(c) if not, what are the reasons therefor; and

(d) what is Hte expected time and cost overruns ?

THE MINISTER OF JfTATE OF THE MINISTRY OF COAL (SHRI AJIT KUMAR PANJA) : (a) to (d) Coal linkages on long-term basis have been agreed for 31 new/expansion cement plants which were identified for the &th Plan period.

The cement factories for which long-term coal linkages had been agreed in 1990 are reported to fee progressing as per schedule except 3 factories for which linkages given in 1990 were subsequently withdrawn. No other cement unit has so far reported cost overruns for lack of/delay in providing long-term coal linkages.

The total committed linkages io cement plants (including existing plants) are about 15.05 million tonnes per annum.

Scrapping of the practice of joint sampling

3821. SHRI SURESH KALMADI : Will the Minister of COAL be pleased to state ;

(a) whether it is a fact thai the Coal India Ltd. has decided to scrap the present practice of having joint sampling of coai at both the loading and the unloading points and to have it instead only at the loading point; and

(b) if so, what are the reasons therefor ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COAL (SHRI AJIT KUMAR PANJA) : (a) and (b) Coai Companies are responsible for supply of right quality and correct quantity of coal at the pithead. Pithead siding where coai is 5—154 RSS/94 loaded as the point where coai is transferred as property to consumers. Therefore the quality and quantity of coal supplied have to be chacked at the loading points by the consumers. Government has decided that an idependeni 3rd Party Inspection Agency for quality assurance in coal should be established preferably through Coal Controller's Organisation on a self-financing basis. All quality inspections should be done at the colliery and before despatch and not at the consumers end after despatch and any discrepancy should be sorted out on that basis.

Consequence of blockage of coai supply to Bihar

3822 . SHRI MENTAY PADMANABHAM : Will the Minister of COAL be pleased to state ;

(a) whether it is a fact that steel plants, Thermal Power Plants and other major coai users have become vulnerable due to frequent blockades of coal supply to Bihar;

(b) if so, what is the impact of such frequent blockades on the economy;

(c) what alternate steps are proposed to build up stocks of coal in other sites in the country; and

(d) whether there are any proposal to increase production at Singareni Collieries in Andhra Pradesh to ensure steady supplies of Coai ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COAL (SHRI AJIT KUMAR PANJA) : (a) to (c) Any agitation, handh or blockade, which disrupts movement of coal, results in reduced coal supplies to consumers. Generally the movement capacity so lost cannot be made up subsequently and as such production in some coai consuming units gets adversely *aSected. For the economy, it would* mean i lower National Income and reduced growth rate. AH possible efforts are made to keep up supplies of coal to core sector consumers even during the agitations/bandhs/ blockades. With improvement in coal supplies, it has also been possible for consumers to btifld up their own coai stocks to d«a! with any disruptions in supplies.

(d) Coai production and despatches of coal trom Singareni Collieries Company Ltd. (SCCL) have improved significantly in the aecond half of the current financial year. The company expect* to produce 24 M.T. of coal during 1993-94. With improved production, the supplies of coal to consumers have also gone up. It is expected that this toend would *be* maintained.

ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के श्रमिकों का पुनर्नियोजन

3823. **श्री राम नरेश यादव** : क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को 10 अगस्त, 1992 को कोयला मजदूर कांग्रेस संगठन, आसनसोल से ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के 220 श्रमिकों को पुनः नौकरी में रखे जाने के संबंध में कोई अनुरोध प्राप्त हुआ है; और

(ख) यदि हां, तो इस पर सरकार की प्रतिक्रिया क्या है ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : (क) कोयला मजदूर कांग्रेस, आसनसोल से ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि. के 220 कामगारों की पुनः बहाली से संबंधित एक अभ्यावेदन दिनांक 10-8-1990 को प्राप्त हुआ था।

(ख) इस संबंध में प्रभावित कुछ व्यक्तियों ने अपने मामलों में कलकत्ता उच्च न्यायालय से आदेश प्राप्त कर लिए हैं । उच्च न्यायालय के उपरोक्त आदेश को कोल इंडिया लि. के प्रबंधन द्वारा दायर विशेष अनुमति याचिका के आधार पर सर्वोच्च न्यायालय ने स्थगन आदेश दे दिया है । यह मामला अभी न्यायालय के विचाराधीन है । इस याचिका पर सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय की प्रतीक्षा की जा रही है ।

देश में पुनः उपयोग में लाये जाने योग्य खुली खदानें

3824. **श्री दिलीप सिंह उदेव**: क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में राज्य-वार ऐसी खुली खदानों की संख्या कितनी है जिनमें एक वर्ष से भी अधिक समय से खान कार्य बंद है, जिनका कोयला भंडार समाप्त हो गया है अथवा जो खनन-कार्य किए जाने योग्य नहीं है;

(ख) ऐसी खदानों की संख्या कितनी है जिन्हें पाटने और समतल करने के बाद पुनः उपयोग योग्य बनाए जाने का प्रस्ताव है;

(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान इन खानों को पाट कर समतल किये जाने के संबंध में किए गए कार्य का ब्यौरा क्या है; और

(घ) मध्य प्रदेश में इस कार्य पर किये गये व्यय और खदानों को पाट कर उन्हें समतल किए जाने के संबंध में ब्यौरा क्या है ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : (क) से (घ) इस संबंध में सूचना एकत्रित की जा रही है और सभा-पटल पर रख दी जाएगी ।

उन्नत किस्म के कोयले के उत्पादन की योजना

3825. **डा. जिनेन्द्र कुमार जैन** :

श्री वीरेन जे. शाह :

क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में कोयले का आयात किया जा रहा है;

(ख) यदि हां, तो वर्ष 1993-94 के दौरान कितनी मात्रा में कोयला का आयात किये जाने की संभावना है;

(ग) क्या सरकार ने कोयले का आयात बंद करने के लिए देश में उन्नत किस्म के कोयले के उत्पादन में वृद्धि करने हेतु किन्हीं परियोजनाओं की योजना बनाई है; और

(घ) यदि हां, तो इन योजनाओं को कब तक पूरा किए जाने का लक्ष्य है और कोयले की आवश्यकता को पूरा करने के मामले में देश कब तक आत्मनिर्भर बन जायेगा ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : (क) और (ख) एकीकृत इस्पात संयंत्र, निम्न राखीय कोककर कोयले के मुख्य रूप में आयातक है, जिससे इसे देशीय कोयले के साथ मिश्रित करके, कोयले की देशीय उपलब्धता तथा मांग के बीच के अन्तराल को पूरा किया जाता है तथा इस्पात संयंत्रों में प्रयोग में आने वाले मिश्रण की सटीक रूप में